अध्याय 19

सरकारी कार्य में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

1. हिंदी का प्रगामी प्रयोग

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 2018–19 के दौरान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम और संघ की राजभाषा नीति के अनुसरण में हिंदी को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी। मंत्रालय में हिंदी के प्रयोग से संबंधित कार्य आर्थिक सलाहकार के पर्यवेक्षण में होता है। मंत्रालय में राजभाषा प्रभाग के प्रमुख संयुक्त निदेशक (रा.भा.) हैं।

सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए उपायों का संक्षिप्त ब्यौरा निम्नवत् है:–

2. राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में, राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी दस्तावेज हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में जारी किए जा रहे हैं। जांच–बिन्दुओं के आधार पर राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कार्य–योजना बनाई गई है। राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम और आदेशों/निर्देशों को इस मंत्रालय के सभी अनुभागों तथा इसके अधीनस्थ/संबद्ध कार्यालयों/स्वायत्त संगठनों को सूचनार्थ अग्रेषित किया गया और इनका अनुपालन करने के लिए निदेश जारी किए गए।

3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति

मंत्रालय में राजभाषा प्रभारी आर्थिक सलाहकार की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित है, जिसकी बैठकें प्रत्येक तिमाही में नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। ये बैठकें 29.06.2018, 27.09.2018, 28.12.2018 और 05.04.2019 को आयोजित की गईं। यह समिति राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य हासिल करने और मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ/संबद्ध कार्यालयों/स्वायत्त संगठनों में संघ की राजभाषा नीति के संवैधानिक प्रावधानों को लागू करने के लिए कार्यनीतियों की जांच करती है। समिति आवधिक रूप से राजभाषा हिंदी के प्रयोग की प्रगति की समीक्षा करती है और राजभाषा नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए किए जाने वाले उपायों का सुझाव देती है और उनकी सिफारिश करती है। मंत्रालय के अधीनस्थ/संबद्ध कार्यालयों/स्वायत्त संगठनों को भी उनकी विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें नियमित रूप से करने के निर्देश दिए गए हैं।

4. हिंदी पखवाड़ा

मंत्रालय के अधिकारियों/कर्मचारियों के बीच सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए मंत्रालय में 1–15 सितंबर, 2018 के दौरान हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। राजपत्रित और अराजपत्रित श्रेणियों के अधिकारियों के लिए हिंदी निबंध लेखन, राजभाषा नीति का सामान्य ज्ञान तथा हिंदी टिप्पण/प्रारूपण जैसी अलग–अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। केवल एमटीएस के लिए एक श्रुतलेख प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसके अलावा हिंदी कविता पाठ का भी आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने बड़े जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 41 नकद पुरस्कार और प्रमाण–पत्र दिए गए।

5. राजभाषा सम्मेलन/ संगोष्ठी

विभाग ने भारत संघ की राजभाषा नीति का प्रचार–प्रसार करने और इसके प्रयोग के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए अपने प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यालयों में प्रत्येक वर्ष राजभाषा सम्मेलन आयोजित करने की नई पहल की है।

इस पहल के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अभी तक 6 राष्ट्रीय राजभाषा सम्मेलन क्रमशः

बैंगलुरू, कन्नूर, दिल्ली, तिरुवनंतपुरम, मुंबई और पुद्दुचेरी में आयोजित किए जा चुके हैं। प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और प्रमाण–पत्र दिए गए। सभी सम्मेलन बेहद सफल रहे और इन्हें सभी ने सराहा।

6. प्रतिदिन एक शब्द

मंत्रालय में पिछले कई वर्षों से "प्रतिदिन एक शब्द" नामक योजना चलाई जा रही है जिसे इस वर्ष भी जारी रखा गया। इस योजना के अंतर्गत विभाग के प्रथम तल और तृतीय तल, ए विंग, निर्माण भवन में लगाए गए इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड पर प्रतिदिन हिन्दी का एक शब्द/वाक्यांश के साथ उसका अंग्रेजी समानार्थक शब्द/वाक्यांश प्रदर्शित किया जाता है। सामान्यतः ये शब्द/वाक्यांश प्रशासनिक व तकनीकी प्रकृति के होते हैं जिनका उपयोग प्रतिदिन के सरकारी कामकाज में किया जाता है।

7. तिमाही हिंदी मूल पत्राचार (टिप्पणी/प्रारूपण) नकद पुरस्कार योजना

मंत्रालय में मूल हिंदी टिप्पण/प्रारूपण लेखन के लिए एक विशेष तिमाही नकद पुरस्कार योजना चलाई जा रही है। इस योजना के अंतर्गत कुल 44 पुरस्कार दिए जाते हैं जिसमें 5000 रु. के दो प्रथम पुरस्कार, 4000 रु. के दो द्वितीय पुरस्कार, 3000 रु. के दो तृतीय पुरस्कार और 38 सांत्वना पुरस्कार शामिल हैं। इस योजना को वर्ष की दो तिमाहियों अर्थात् जनवरी से मार्च और जुलाई से सितंबर में चलाया जाता है। जुलाई से सितंबर, 2018 की तिमाही के दौरान, अधिकारियों/कर्मचारियों के हिंदी कार्य का मूल्यांकन करने के बाद 26 पुरस्कार दिए गए। जनवरी से मार्च, 2019 की तिमाही के लिए प्रविष्टियां प्राप्त हो गई हैं और इनका मूल्यांकन किया जा रहा है।

8. हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

मंत्रालय में दिनांक 16.5.2018 और 12.9.2018 को दो अलग–अलग हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिनमें अधिकारियों/कर्मचारियों को (i) संघ सरकार की राजभाषा नीति, (ii) अनुवाद संबंधी कठिनाइयां और परवर्ती समाधान" आदि की जानकारी दी गई।

9. हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित निरीक्षण

राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मंत्रालय के अधिकारियों ने दिल्ली, नोएडा, लखनऊ, फैज़ाबाद, अहमदाबाद, चेन्नई, भुवनेश्वर, भोपाल, देहरादून और ऋषिकेश स्थित अपने प्रशासनिक नियंत्रणाधीन 31 कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस प्रकार 'क' क्षेत्र में 26, 'ख' क्षेत्र में 1 और 'ग' क्षेत्र में 4 कार्यालयों का निरीक्षण किया गया।